Peer Reviewed/ Refereed Journal

ISSN -PRINT-2231-3613ONLINE2455-8729
International Educational Journal
CHETANA
Impact Factor SJIF=4.157

Received on 28th Oct. 2018, Revised on 02th Nov. 2018; Accepted 06th Nov. 2018

शोधपत्र

"किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर दुश्चिन्ता व समायोजन के प्रभाव का अध्ययन"

* डॉ. भावना क्षेत्री
प्राचार्या
स्नेह टी.टी. कॉलेज, जयपुर

Key words: *दुश्चिन्ता व मानसिक द्वन्द, गैर सरकारी माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर आदि।*

किशोरावस्था का काल किसी व्यक्ति के जीवन का निर्माण माना गया है। बालक की किशोरावस्था उसके भविष्य की आधारशिला है।यह जीवन का सबसे कठिन काल भी है। किशोरावस्था में अपने लक्ष्यों को पाने के लिए किशोर सदैव प्रयत्नशील रहते हैं व उन पर सामाजिक प्रतिष्ठा में डूबे अपने माता–पिता की महत्वकांक्षाओं को पूरा करने का दवाब भी रहता है। यही दबाव जो कि खुद उसके अन्दर है व माता–पिता व समाज की तरफ से भी है, उसकी दुश्चिन्ता व मानसिक द्वन्द का कारण बनता है। इन वजहों से किशोरों की सामाजिक व शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित हुए बगैर नहीं रहती है और अगर किशोर की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर उसके समाज की प्रतिष्ठा के अनुरूप नहीं हो पाता है तो उसे समायोजन में भी परेशानी आती है।

उद्देश्यः–

1. किशोर छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. किशोर छात्र व छात्राओं की दुश्चिन्ता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. किशोर छात्र व छात्राओं के समायोजन का तुलनात्मक अध्यय करना।
4. किशोर छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर दुश्चिन्ता के प्रभाव का अध्ययन।
5. किशोर छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन के प्रभाव का अध्ययन।

परिकल्पनाः–

1. किशोर छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
2. किशोर छात्र व छात्राओं की दुश्चिन्ता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
3. किशोर छात्र व छात्राओं के समायोजन में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
4. किशोर छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर दुश्चिन्ता का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
5. किशोर छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

न्यादर्शः–

जयपुर शहर में माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर के 600 किशोर छात्र व छात्राओं को न्यादर्श के रूप में चुना गया है। न्यादर्श के लिये जयपुर शहर के राजकीय माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर के 150 छात्र व 150 छात्राओं व गैर सरकारी माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर के 150 छात्र व 150 छात्राओं को चुना गया है।

विधिः–

अध्ययन के लिए सर्वेक्षण विधि को प्रयोग में लाया गया है।

सर्वेक्षण के लिये मल्टी स्टेज एरिया रैंण्डम सैम्पलिंग को उपयुक्त मानकर प्रयोग किया गया।

उपकरणः–

1. किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि को मापने के लिये बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षा के अंकों को आधार बनाया गया है।

2. दुश्चिन्ता मापने के डॉ. ए.के.पी. सिन्हा व डॉ. एल. एन. पी. सिन्हा द्वारा निर्मित दुश्चिन्ता मापनी (SCAT) का प्रयोग किया गया है।
3. समायोजन परीक्षण के लिये डॉ. ए.के.पी. सिन्हा व डॉ. आर.पी. सिंह का समायोजन परीक्षण (AISS) प्रयोग में लिया गया है।

सांख्यिकीय उपकरणः–

1. मध्यमान
2. प्रमाप विचलन
3. टी–परीक्षण
4. सहसम्बन्ध

प्रदत्तों का विश्लेषणः–

सारणी संख्या 1

माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर के किशोर छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन।

वर्ग	N	Mean	S.D.	t
माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राऐं	300	68.76	12.41	.01 स्तर पर 3.45
उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राऐं	300	71.89	9.60	

t का प्राप्त मान 3.45 अपेक्षित मान से अधिक है। अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया है।

सारणी संख्या 2

माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर के किशोर छात्र व छात्राओं की दुश्चिन्ता का तुलनात्मक अध्ययन।

वर्ग	N	Mean	S.D.	t
माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राऐं	300	21.16	2.99	.01 स्तर पर 2.96
उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राऐं	300	21.80	2.22	

t का प्राप्त मान 2.96 अपेक्षित मान से अधिक है। अतः सार्थक अन्तर पाया गया है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि किशोर छात्र व छात्राओं की दुश्चिन्ता में सार्थक अन्तर पाया गया है।

सारणी संख्या 3

किशोर छात्र छात्राओं के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन।

वर्ग	N	Mean	S.D.	t
माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राऐं	300	12.07	5.73	.01 स्तर पर 5.70
उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राऐं	300	9.92	3.13	

t का प्राप्त मान 5.70 अपेक्षित मान से अधिक है। अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि किशोर छात्र व छात्राओं के समायोजन में सार्थक अन्तर पाया गया है।

सारणी संख्या 4

किशोर छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर दुश्चिन्ता के प्रभाव का अध्ययन

वर्ग	समस्या	N	सह सम्बन्ध 'r'	सार्थकता .05 स्तर पर
किशोर छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि	दुश्चिन्ता	600	.143	.06

'r' का प्राप्त मान .143 है व .05 स्तर पर 'r' का अपेक्षित मान .06 है अर्थात शैक्षिक उपलब्धि व दुश्चिन्ता में सार्थक सह सम्बन्ध पाया गया है।

सारणी संख्या 5

किशोर छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन का प्रभाव

वर्ग	समस्या	N	सह सम्बन्ध 'r'	सार्थकता .05 स्तर पर
किशोर छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि	समायोजन	600	- .404	.06

'r' का प्राप्त मान -.404 है व .05 स्तर पर 'r' का अपेक्षित मान .06 है अर्थात शैक्षिक उपलब्धि व समायोजन में सार्थक सह सम्बन्ध पाया गया है।

प्रमुख निष्कर्षः–

1. किशोर छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया है। इसका कारण यह है कि किशोर छात्राऐं छात्रों से उपलब्धि स्तर के मामले में अधिक संवेदनशील हो गयी है। वे किशोरवस्था से ही अपनी शिक्षा पर अधिक ध्यान देने लगी है। व्यवहारिक रूप से बोर्ड की परीक्षा परिणामों से भी सही सिद्ध हुआ है।
2. किशोर छात्र व छात्राओं की दुश्चिन्ता में सार्थक अन्तर पाया गया है। छात्राओं में दुश्चिन्ता छात्रों से अधिक पायी गयी है।
3. किशोर छात्र व छात्राओं के समायोजन में सार्थक अन्तर पाया गया है। किशोर छात्राओं का समायोजन किशोर छात्रों के तुलना में अच्छा पाया गया है।
4. किशोर छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि व दुश्चिन्ता के मध्य सार्थक सह सम्बन्ध पाया गया है। इसका अर्थ यह है कि कई बार दुश्चिन्ता होने पर किशोर छात्र व छात्राऐं अधिक शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करने के लिये प्रेरित होते हैं।
5. किशोर छात्र व छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि व समायोजन के मध्य सार्थक सह सम्बन्ध पाया गया है। अर्थात् समायोजन का प्रभाव शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ा है।

*** Corresponding Author:**
डॉ. भावना क्षेत्री
प्राचार्या
स्नेह टी.टी. कॉलेज, जयपुर।